Date - 2 March 2022

अभ्यास धर्म गार्जियन 2022

- 27 फरवरी से 10 मार्च 2022 तक, भारत और जापान के बीच एक संयुक्त अभ्यास 'अभ्यास धर्म गार्जियन 2022', विदेशी प्रशिक्षण नोड बेलगावी (बेलगाम, कर्नाटक) में आयोजित किया जा रहा है।

अभ्यास धर्म गार्जियन 2022:

- अभ्यास धर्म अभिभावक 2022 एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो 2018 से भारत में आयोजित किया जा रहा है।
- इस अभ्यास के दायरे में वन और अर्ध-शहरी/शहरी क्षेत्रों में आयोजित प्लाटून स्तर का संयुक्त प्रशिक्षण शामिल है।
- संयुक्त अभ्यास कार्यक्रम में हाउस इंटरवेंशन ड्रिल, अर्ध शहरी क्षेत्रों में आतंकवादी ठिकानों पर छापेमारी, प्राथमिक चिकित्सा और निहत्थे मुकाबला और करीब क्वार्टर कॉम्बैट फायरिंग शामिल हैं, जहां दोनों पक्ष संभावित खतरों को विफल करने के लिए संयुक्त रूप से अच्छी तरह से विकसित सामरिक अभ्यास में संलग्न होंगे।
- वैश्विक आतंकवाद से लड़ने के लिए सामरिक कौशल, बलों के बीच अंतर-संचालन और बलों के बीच आपसी संबंधों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

भारत और जापान के बीच अन्य सैन्य अभ्यास

- मालाबार: भारत और जापान संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ मालाबार नामक नौसैनिक युद्ध अभ्यास में भाग लेते हैं।
- जिमेक्स (नौसेना)
- शिन्यू मैत्री (वायु सेना)

Yojna IAS

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (NSD)

- प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (28 फरवरी) के अवसर पर भारत के वैज्ञानिक समुदाय को बधाई दी।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 1928 में इसी दिन नोबेल पुरस्कार विजेता और भौतिक विज्ञानी सीवी रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एनएसडी) मनाया जाता है।
- वर्ष 1986 में, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद ने भारत सरकार से 28 फरवरी को एनएसडी के रूप में नामित करने के लिए कहा।
- 1987 से, यह आयोजन पूरे देश में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, चिकित्सा और अनुसंधान गतिविधियों में मनाया जाता रहा है।
- इस दिन को मनाने का उद्देश्य वैज्ञानिक सोच को बढ़ाना, विज्ञान को लोकप्रिय बनाना और लोगों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देकर नवीन गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और एक सकारात्मक वैज्ञानिक अनुसंधान संस्कृति का निर्माण करना है।
- एनएसडी का समर्थन करने के लिए नोडल एजेंसी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसटीसी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय है।

थीम 2022:

- "सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण"।
- विषय एक स्थायी भविष्य के लिए चार गुना एकीकृत दृष्टिकोण पर केंद्रित है जिसमें शामिल हैं:
    - इंजीनियरिंग सहित विस्तारित वैज्ञानिक हस्तक्षेप।
    - चिकित्सा और अन्य संस्थान।
    - अतिरिक्त वैज्ञानिक एकीकरण में जल शक्ति, रेलवे जैसे अन्य मंत्रालयों की जरूरतों की पहचान शामिल है।
    - स्टार्ट-अप और उद्योग को एकीकृत करते हुए विस्तारित विज्ञान संचालित सर्व-समावेशी दृष्टिकोण।

सीवी रमन:

- भौतिक विज्ञानी चंद्रशेखर वेंकट रमन का जन्म तमिलनाडु में हुआ था।
- प्रकाश प्रकीर्णन के क्षेत्र में उनके कार्य के लिए उन्हें 1930 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रकाश के प्रकीर्णन की इस परिघटना को रमन प्रभाव नाम दिया गया।
- वर्ष 1954 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

Yojna IAS

रमन प्रभाव

- रमन प्रभाव अणुओं द्वारा फोटॉन कणों का प्रकीर्णन है जो उच्च कंपन या घूर्णी ऊर्जा स्तरों को प्रोत्साहित करते हैं। इसे रमन प्रकीर्णन भी कहते हैं।
- सरल शब्दों में, यह प्रकाश की तरंग दैर्ध्य में परिवर्तन है जो प्रकाश की किरणों के अणुओं द्वारा विक्षेपित होने के कारण होता है।
- जब प्रकाश की किरण किसी रासायनिक यौगिक के धूल रहित और पारदर्शी नमूने से गुजरती है, तो प्रकाश का एक छोटा हिस्सा आपतित किरण की दिशा के अलावा अन्य दिशाओं में निकलता है।
- इस प्रकीर्णित प्रकाश के अधिकांश भाग की तरंगदैर्घ्य अपरिवर्तित रहती है। हालाँकि, प्रकाश का एक छोटा सा हिस्सा भी होता है जिसकी तरंग दैर्ध्य आपतित प्रकाश की तरंग दैर्ध्य से भिन्न होती है और इसकी उपस्थिति रमन प्रभाव का परिणाम होती है।
- रमन प्रभाव रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी का आधार बनता है, जिसका उपयोग रसायनज्ञ और भौतिक विज्ञानी सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए करते हैं।
- स्पेक्ट्रोस्कोपी पदार्थ और विद्युत चुम्बकीय विकिरण के बीच परस्पर क्रिया का अध्ययन है।

‘ऑपरेशन गंगा’

- हाल ही में भारत सरकार ने ‘ऑपरेशन गंगा’ नाम से एक ‘बहुआयामी’ पहल शुरू की है।
- यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकालने में सहायता के लिए एक समर्पित ट्विटर हैंडल ‘ओपगंगा हेल्पलाइन’ की भी घोषणा की गई है।
- रूस और यूक्रेन के बीच मौजूदा तनाव यूक्रेन में हाल ही में रूसी सेना द्वारा किए गए हमलों के बाद यूक्रेन में युद्ध छिड़ने के साथ बढ़ गया है।

ऑपरेशन गंगा:

- यह उन सभी भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए एक निकासी मिशन है जो वर्तमान में यूक्रेन में फंसे हुए हैं।
- छात्रों सहित लगभग 20,000 भारतीय यूक्रेन में फंस गए थे।
- अब तक यूक्रेन से 900 से अधिक भारतीयों को एयर इंडिया की तीन उड़ानों द्वारा सुरक्षित भारत वापस लाया जा चुका है।
- रोमानिया और हंगरी जैसे पड़ोसी देशों से भारतीय निकासी उड़ानें संचालित हो रही हैं।
- भारत सरकार रोमानिया, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया की सीमाओं में फंसे भारतीयों को बचाने के लिए भी सुविधाएं प्रदान कर रही है।

भारत द्वारा किए गए अन्य निकासी अभियान:

वंदे भारत (2020)

- कोरोना वायरस के कारण वैश्विक यात्रा पर प्रतिबंध के कारण विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए ‘वंदे भारत मिशन’ चलाया गया है।

Yojna IAS

- इस मिशन के तहत 30 अप्रैल 2021 तक कई चरणों में करीब 60 लाख भारतीयों को वापस लाया गया।

ऑपरेशन समुद्र सेतु (2020)

- यह COVID-19 महामारी के दौरान विदेशों से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के राष्ट्रीय प्रयास के हिस्से के रूप में एक नौसैनिक अभियान था।
- इसके तहत 3,992 भारतीय नागरिकों को समुद्र के रास्ते सफलतापूर्वक उनके वतन वापस लाया गया।
- भारतीय नौसेना के जहाज जलाश्व (लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक), ऐरावत, शार्दुल और मगर (लैंडिंग शिप टैंक) ने ऑपरेशन में भाग लिया, जो 55 दिनों तक चला और समुद्र के द्वारा 23,000 किमी की दूरी तय की। अधिक यात्रा शामिल थी।

ऑपरेशन ब्रसेल्स (2016):

- मार्च 2016 में, बेल्जियम ज़ेवेंटेम में ब्रुसेल्स हवाई अड्डे पर और मध्य ब्रुसेल्स में मालबेक मेट्रो स्टेशन पर एक आतंकवादी हमले की चपेट में आ गया था।
- इसके तहत जेट एयरवेज की उड़ान से चालक दल के 28 सदस्यों सहित कुल 242 भारतीयों को भारत लाया गया।

ऑपरेशन राहत (2015):

- 2015 यमन संकट के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन राहत ने यमन से 41 देशों के 960 विदेशी नागरिकों के साथ 4640 से अधिक भारतीय नागरिकों को निकाला।
- ऑपरेशन हवाई और समुद्र दोनों रास्ते से चलाया गया।

ऑपरेशन मैत्री (2015):

- ऑपरेशन मैत्री भारत सरकार और भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 2015 के नेपाल भूकंप में बचाव और राहत अभियान के रूप में चलाया गया था।
- भारतीय सशस्त्र बलों ने लगभग 5,188 लोगों को निकाला था, जबकि लगभग 785 विदेशी पर्यटकों को ट्रांजिट वीजा दिया गया था।

ऑपरेशन सेफ होमकमिंग (2011):

- भारत सरकार द्वारा 26 फरवरी 2011 को लीबिया के गृहयुद्ध में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए इसकी शुरुआत की गई थी।
- इस ऑपरेशन में लगभग 15,000 नागरिकों को बचाया गया।
- इसमें भारतीय नौसेना और एयर इंडिया द्वारा हवाई मार्ग और समुद्री मार्ग दोनों का उपयोग किया जाता था।

ऑपरेशन सुकून (2006):

Yojna IAS

- जैसा कि जुलाई 2006 में इज़राइल और लेबनान में सैन्य संघर्ष शुरू हुआ, भारत ने अपने फंसे हुए नागरिकों को बचाने के लिए ऑपरेशन सुकून शुरू किया, जिसे अब 'बेरूत सीलिफ्ट' के रूप में जाना जाता है।
- डनकर्क निकासी के बाद से यह सबसे बड़ा नौसैनिक बचाव अभियान था।
- टास्क फोर्स ने 19 जुलाई से 1 अगस्त 2006 के बीच कुछ नेपाली और श्रीलंकाई नागरिकों सहित लगभग 2,280 लोगों को निकाला।

कुवैत एयरलिफ्ट **(1990):**

- जब 1990 में 700 टैंकों से लैस 100,000 इराकी सैनिकों ने कुवैत पर हमला किया, तो शाही और वीआईपी सऊदी अरब भाग गए।
- साथ ही आम जनता की जान जोखिम में डाल दी।
- कुवैत में फंसे लोगों में 170,000 से अधिक भारतीय थे।
- भारत ने निकासी अभियान शुरू किया, जिसमें 1,70,000 से अधिक भारतीयों को एयरलिफ्ट किया गया और भारत वापस लाया गया।

राष्ट्रीय व्योशी योजना (RVY)

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय राष्ट्रीय वयोश्री योजना (RVY) के तहत 895 वरिष्ठ नागरिक लाभार्थियों के बीच 4,800 दैनिक जीवन सहायता और सहायक उपकरण वितरित करेगा।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना:

- इसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था।
- यह वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष से वित्तपोषित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। इस फंड को वर्ष 2016 में अधिसूचित किया गया था।
- छोटे बचत खातों, पीपीएफ और ईपीएफ से सभी दावा न की गई राशियों को इस फंड में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

लक्ष्य:

- इसका उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को सहायता और सहायक उपकरण प्रदान करना है जो उम्र से संबंधित विकलांगता/विकलांगता जैसे बिगड़ा हुआ दृष्टि, श्रवण दोष, दांतों की हानि और चलने में गड़बड़ी से पीड़ित हैं।
- पात्र लाभार्थियों को सहायक उपकरण जैसे वॉकिंग स्टिक, एल्बो बैसाखी, वॉकर/बैसाखी, ट्राइपॉड/क्वाड पॉड, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, कृत्रिम दांत और चश्मा प्रदान किए जाते हैं।
- 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या 38 करोड़ है। वरिष्ठ नागरिकों की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और एक बड़ा प्रतिशत (5.2 प्रतिशत) वृद्धावस्था से संबंधित विकलांगता से पीड़ित है।

Yojna IAS

कार्यान्वयन:

- यह योजना सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO) द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।

वृद्ध व्यक्तियों से संबंधित अन्य योजनाएं:

- संपन्न परियोजना
- बुजुर्गों के लिए पवित्र पोर्टल
- एल्डर लाइन: बुजुर्गों के लिए टोल-फ्री नंबर
- सेज (सीनियर केयर एजिंग ग्रोथ इंजन)
- माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण (MWPSC) अधिनियम, 2007
- वृद्ध व्यक्तियों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (आईपीओपी)
- राष्ट्रीय वयोश्री योजना (आरवीवाई)
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना
- प्रधानमंत्री वय वंदना योजना
- वयोश्रेष्ठ सम्मान

Yojna IAS

Swadeep Kumar